भारतीय जनता पार्टी–हिमाचल प्रदेश

प्रदेश कार्यालय

प्रैस विज्ञप्ति दिनांक 25.09.2018

आज भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश का एक प्रतिनिधिमण्डल प्रदेशाध्यक्ष श्री सतपाल सिंह सत्ती की अध्यक्षता में 15वें वित्तायोग के अध्यक्ष व सदस्यों से मिला तथा उन्हें एक ज्ञापन सौंपा (ज्ञापन की कॉपी संलग्ति है)। भाजपा के प्रतिनिधिमण्डल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती के साथ पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व मुख्य सचेतक नरेन्द्र बरागटा, प्रदेश महामंत्री चंद्रमोहन ठाकुर व प्रदेश प्रवक्ता रणधीर शर्मा शामिल थे।

ज्ञापन

हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है। लगभग 56000 वर्ग कि0मी0 क्षेत्रफल वाले इस प्रदेश का दो–तिहाई हिस्सा वन क्षेत्र है। लगभग 70 लाख की आबादी वाले इस प्रदेश की 90 प्रतिशत आबादी प्रदेश के लगभग 18000 गांवों में रहती है। इसलिए कठिन भोगौलिक संरचना के कारण गांव–गांव में मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाना व आधारभूत ढांचा खड़ा करना अत्यंत मुश्किल व अत्यधिक खर्चीला है। प्रदेश के अपने आय के संसाधन न के बराबर हैं, कर संग्रह से भी जयादा आय नहीं होती। इसलिए प्रदेश की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधारने व प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु आपसे निवेदन करती है कि :–

1. **विशेष आर्थिक सहयोग :–**

जन–आंकाक्षाओं की पूर्ति हेतु पहाड़ी प्रदेश में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए व प्रदेश की अपनी आय के साधन न होने के कारण प्रदेश सरकारों को समय–समय पर ऋण उठाना पड़ता है। आज प्रदेश लगभग 48,000 करोड़ रू0 से अधिक के कर्जे में डूबा हुआ है जिसके ब्याज की अदायगी करने में ही प्रदेश सरकार को दिक्कतें आ रही हैं। इसलिए आपसे आग्रह है कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुधारने हेतु हिमाचल प्रदेश को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाए।

2. **प्राकृतिक आपदा से निपटने हेतु राहत पैकेज :–**

हिमाचल प्रदेश की भोगौलिक संरचना के कारण यहां प्रतिवर्ष आंधी, तूफान, बारिश, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से करोड़ों रू0 का नुकसान उठाना पड़ता है। इस वर्ष तो नुकसान 3000 करोड़ तक पहुंच चुका है। आपसे निवेदन है कि हिमाचल प्रदेश को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 200 करोड़ रू0 की राहत राशि में बढ़ौतरी की जाए और इस वर्ष प्राकृतिक आपदा से हुए भारी नुकसान की भरपाई हेतु विशेष राहत पैकेज दिया जाए।

3. **विद्युत परियोजनाओं में हिस्सा :–**

भाखड़ा बांध व पौंग बांधों के निर्माण से हिमाचल प्रदेश की बड़ी आबादी को विस्थापित होना पड़ा, परन्तु फायदा पंजाब, हरियाणा व राजस्थान जैसे प्रदेशों को मिला। इन बांधों पर बनी विद्युत परियोजनाओं से हमको हमारा हिस्सा नहीं मिलता। इन परियोजनाओं से हिमाचल प्रदेश को अपना हिस्सा मिले, यह हमारी मांग है।

4. **वायु सेवा (Air Connectivity) बढ़ाने हेतु आर्थिक सहायता :–**

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विकास की अपार संभावनायें हैं जिससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलता है और प्रदेश की आय भी बढ़ती है। इसके लिए प्रदेश को वायु सेवा से जोड़ने की अति आवश्यकता है। प्रदेश के वर्तमान हवाई अड्डों के विस्तारीकरण व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए नए हवाई अड्डे के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार से आर्थिक सहयोग की हम अपील करते हैं।

5. **रेलवे विस्तारीकरण हेतु आर्थिक सहयोग :–**

हिमाचल प्रदेश में रेलवे विस्तार की प्रक्रिया शुरू तो हुई है परन्तु नई बन रही रेलवे लाईनों में प्रदेश को 50 प्रतिशत हिस्सा वहन करना पड़ेगा जिसे प्रदेश की वर्तमान आर्थिक स्थिति के रहते सम्भव नहीं है इसलिए 50 प्रतिशत हिस्सेदारी को कम किया जाए और इस दृष्टि से भी आर्थिक सहयोग किया जाए।

6. **वन सम्पदा प्रबन्धन हेतु आर्थिक सहायता :–**

हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रफल का दो–तिहाई हिस्सा वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है जिसमें बहुमूल्य वन सम्पदा विद्यमान है जिसका पर्यावरण की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश ही नहीं अपितु अन्य पड़ोसी राज्यों को भी लाभ मिलता है। इसलिए एक तो इसकी एवज में प्रदेश को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए, दूसरा वन क्षेत्र बढ़ाने व रख–रखाव की दृष्टि से भी आर्थिक सहयोग की अति आवश्यकता है।

7. **सड़क, पानी व बिजली जैसी लोक कार्यों हेतु बजट :–**

हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में सड़क निर्माण रख–रखाव व सड़क सुरक्षा पर तथा पहाड़ों पर स्थित गांवों में बिजली पानी मुहैया करवाने हेतु बहुत अधिक खर्च होता है इसलिए इस दृष्टि से अन्य राज्यों की तुलना में हिमाचल प्रदेश को अधिक धनराशि मुहैया होनी चाहिए।

8. **संस्थागत विकास एवं सुधार हेतु बजट :–**

हिमाचल प्रदेश की भोगौलिक परिस्थितियों के कारण कम जनसंख्या पर संस्थानो की आवश्यकता होती है। शिक्षा, स्वास्थ्य व राजस्व संस्थान आबादी की औसत के हिसाब से कहीं अधिक खोलने पड़ते हैं। उसी कारण अधिक कर्मचारी व अधिकारी नियुक्त करने पड़ते हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में अन्य राज्यों की अपेक्षा कहीं ज्यादा बजट प्रावधान करने की आवश्यकता है।

9. **जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों को भी विकास कार्यों हेतु धनराशि स्वीकृत करवाने हेतु बजट :–**

13वें वित्तायोग ने पंचायत प्रधानों के अलावा जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों को विकास कार्यों हेतु धनराशि उपलब्ध करवाने की शक्तियां दी थी परन्तु 14वें वित्तायोग में पंचायतों को सारी धनराशि दे दी गई इसलिए जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों में भारी निराशा है। आपसे निवेदन है कि पंचायत प्रधानो के साथ जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों को भी विकास कार्यों हेतु धनराशि स्वीकृत करने के लिए बजट मुहैया करवाया जाए।

10. **शहरी निकायों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बजट :–**

बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण शहरी निकाय अपने दम पर नागरिकों को मूलभूत सुविधायें जैसे सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क, ऑनलाईन सेवाएं आदि उपलब्ध करने में नाकाम रह रही हैं। इस दृष्टि से उन्हें अधिक से अधिक बजट प्रावधान करने की आवश्यकता है।

11. **हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय में आधारभूत ढांचा मजबूत करने हेतु बजट :–**

हिमाचल प्रदेश विधान सभा में विधायकों व कर्मचारियों के लिए आवासों की कमी है। मंत्रियों व अधिकारियों को बैठने के लिए उपयुक्त कमरे तक नहीं है। आंगतुकों को बैठने के लिए भी हॉल की कमी है। इसके लिए भी बजट का उपयुक्त प्रावधान करने की आवश्यकता है।

भवदीय,

नरेन्द्र बरागटा (मुख्य सचेतक)
प्रदेश उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, हि0प्र0

सत्तपाल सिंह सत्ती
प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, हि0प्र0

रणधीर शर्मा
प्रदेश प्रवक्ता
भारतीय जनता पार्टी, हि0प्र0

चंद्रमोहन ठाकुर
प्रदेश महामंत्री
भारतीय जनता पार्टी, हि0प्र0

भाजपा मीडिया सैल